055 सूरह रहमान. का मुख्तसर लफ़्ज़ो मे खुलासा.

नोट.- ये PDF फाइल कोई भाषा या व्याकरण नही हे,

बल्कि दीन-ए-इस्लाम को समझने के लिये हे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम.

• इस मुबारक सूरह मे अल्लाह तआला ने अपनी शाने रेहमत को मुख्तलिफ तरीको से जिक्र फर्माया हे, अल्लाह तआला की नेमतो और कुदरतो का बडे ही हिक्मत भरे अंदाज़ मे जिक्र हुवा हे.

| करीम अल्लाह की नेमतो का जिक्र.

कुरान की तालीम निहायत मेहेरबान अल्लाह की तरफ से हे. जिसने इन्सान को पैदाइश के एज़ाज़ से नवाज़ा, और इल्म के ज़ेवर से सजाया. चांद, सूरज, सितारे और ये दरख्त सब उस्के हुकुम के पाबन्द हे. जिसने आसमानो और पूरे कायनात के निज़ाम को इन्साफ पर कायम फर्माया हे. इस्लीये तुम्भी हर मामले मे इन्साफ को काईम करो. जिस करीम जात ने ज़मीन को बिछाया, और जिसने उस्मे फल, खजूरे और अनाज पैदा करदिया. और उस्ने इन्सान को मिट्टीसे और जिन्नात को आग की आंच और शोलेसे पैदा फर्माया हे. और वही मशरिक और मगरिब का रब हे. उसीने दो समन्दर बहाये, जिन्के दरमियान पर्दा और आड हे जिस्की वजह से वो दोनो समन्दर अपनी हदसे आगे बढकर एक दूसरे मे नही मिलते. इन्ही समन्दरो से मोती और मरजान (मूंगे)

निकलते हे. और समन्दर मे चलने वाले पहाड जैसे उंचे जहाज़ वगैर किसी जरीये के डायरेक्ट अल्लाह के इख्तियार मेहे. तो ए जिन्नात और इन्सान! तुम अपने रब के किन-किन एहसानो को झूठलावोगे.

| हर चीज़ फानी हे, अंजाम से गफिल ना हो.

रूए ज़मीन पर हर चीज़ फानी हे सिर्फ अल्लाह बाकी हे और ज़मीन और आसमान की सारी मखलूक उसीसे अपनी जरूरते मांग रही हे. हरपल वोह एक नई शान मेहे और याद रखो! बहुत जल्दी वो वकत आने वाला हे जब हम तुम्हारी खबर लेनेके लिये फारिग हो जायेंगे. ए जिन्नात और इन्सान! अगर तुम ज़मीन और आसमान की सीमावो से निकलकर बाहर भाग सकते हो तो भागकर देखो, तुम नही भाग सकते, इस्लीये के अल्लाह के मुकाबले मे बडा ज़ोर चाहिये. और अगर तुमने भागने की कोशिश की तो तुम्पर आग का शोला छोड दिया जायेगा या धुवा छोड दिया जायेगा, और फिर तुम उस्का मुकाबला नही कर सकोगे. बतावो! उस वकत क्या होगा? जब आसमान फट पडेगा और लाल तेल की तरह सुर्ख हो जायेगा. उस दिन मुजरिम अपने चेहरो से पेहचाने जायेंगे. और कहा जायेगा यही वो जहन्नाम हे जिस्को मुजरिम झूठलाया करते थे. उसी जहन्नम मे और खोलते हुवे पानी मे वो चक्कर लगाते रहेंगे. तो ऐ जिन्नात और इन्सान! फिर तुम अपने रब की किन-किन कुदरतो को झूठलावोगे.

| अल्लाह की नेमते और जन्नत के इनाम.

जो शख्स अपने रब के सामने खडे होने से डरता हो उस्के लिये दो बाग हे. हरी-भरी डालियो से भरपूर, दोनो बागो मे दो चश्मे बेहते होंगे. दोनो बागो मे फल की दो किस्मे होंगी. जन्नत वाले वहा पर तकियो पर बैठे फल खाते होंगे. और उन्के दरमियान शर्मीली निगाहो वाली हूरे होंगी. जिन्हे आज तक किसीने नही छुवा होगा. ऐसी खूबसूरत जैसे याकुत (मोती) और मरजान (मूंगे). नेकी का बदला नेकी के सिवा और क्या हो सकता हे? तो ऐ जिन्नात और इन्सान! तुम अल्लाह की किन-किन नेमतो को झूठलावोगे. इन्के अलावा और भी दो बाग होंगे, जो घने और हरे भरे होंगे. उन्मे दो चश्मे फुवारो की तरह उबलते हुवे होंगे. और उन बागो मे बहुत से फल, खजूरे और अनार होंगे. खूबसूरत और अच्छे अखलाक वाली बीवीया होंगी. खैमो मे ठहराई हुई हूरे, जिन्हे आज तक किसी ने नही छुवा होगा. जन्नती हरे कालीनो और बेहतरीन उम्दा गद्दो पर तकिया लगाये हुवे बैठे होंगे. तो ऐ जिन्नात और इन्सान! तुम अपने रब की किन-किन नेमतो को झूठलावोगे. आप्के ताकतवर और मेहरबान रब का नाम बडा ही बरकत वाला हे.

खुलासा मज़ामीने कुरान उर्दू किताब. | मौलाना मलिक अब्दुर्रउफ साहब.